श्री अग्रसेन कन्या पी0जी0 कॉलेज

बुलानाला/परमानन्दपुर, वाराणसी

हिन्दी विभाग

स्नातकोत्तर एवं शोध पाठ्यक्रम

- स्नातकोत्तर कार्यक्रम के पहले वर्ष में प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थी स्नातक उपाधि होने चाहिए।
- उच्च शिक्षा का यह चतुर्थ वर्ष कहलाएगा।
- स्नातकोत्तर के प्रथम में न्यूनतम 52 क्रेडिट अर्जित करने पर छात्र/छात्राओं को उत्तीर्ण किया जायेगा।
- स्नातकोत्तर प्रथम एवं द्वितीय दोनों वर्षों में न्यूनतम 52+48 क्रेडिट अर्जित करने वाले उत्तीर्ण विद्यार्थी को मुख्य विषय (मेजर) में स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की जायेगी।
- स्नातकोत्तर में एक ही मुख्य विषय (Major Subject) होगा।
- स्नातकोत्तर कार्यक्रम सी0बी0सी0एस0 एवं सेमेस्टर प्रणाली में संचालित होगा।
- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चार सेमेस्टर में विभक्त है।
- मुख्य विषय (हिन्दी) के प्रत्येक सेमेस्टर में कुल चार प्रश्न पत्र निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न–पत्र पाँच क्रेडिट का होगा।
- स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर) में छात्रा को एक माइनर इलेक्टिव पेपर, मुख्य विषय से इतर किसी अन्य संकाय से सम्बन्धित मानइर विषय लेना होगा। यह पेपर 4 क्रेडिट का होगा।

स्नातकोत्तर कार्यक्रम में शोध परियोजना (**Research Project**) :

- उच्च शिक्षा के चतुर्थ एवं पंचम वर्ष (स्नातकोत्तर के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष) से विद्यार्थी को लघु शोध परियोजना करनी होगी।
- यह शोध परियोजना Ineterdisciplinary भी हो सकती है।
- शोध परियोजना एक शिक्षक (सुपरवाईजर) के निर्देशन में की जायेगी।
- विद्यार्थी को दोनों सेमेस्टर में 4 क्रेडिट की शोध परियोजना करनी होगी।
- विद्यार्थी वर्ष के अन्त में दोनों सेमेस्टर में की गई शोध परियोजना का संयुक्त प्रबंध जमा करेगा, जिसका मूल्यांकन वर्ष के अन्त में सुपरवाईजर एवं विश्वविद्यालय द्वारा नामित बाह्य परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से 100 अंकों में किया जायेगा।

❖❖❖

हिन्दी विभाग
स्नातकोत्तर हिन्दी
पाठ्यक्रम संरचना

एम0ए0 प्रथम वर्ष		प्रथम सेमेस्टर	अंक विभाजन	
मेजर (हिन्दी) प्रश्न पत्र	पत्र का प्रकार	क्रेडिट	लिखित	आन्तरिक मूल्यांकन
प्रथम प्रश्न पत्र	लिखित	5 (पाँच)	75	25
द्वितीय प्रश्न पत्र	लिखित	5 (पाँच)	75	25
तृतीय प्रश्न पत्र	लिखित	5 (पाँच)	75	25
चतुर्थ प्रश्न पत्र	लिखित	5 (पाँच)	75	25
शोध	लघु शोध			–
		कुल क्रेडिट योग 20	कुल योग	400

एम0ए0 प्रथम वर्ष		द्वितीय सेमेस्टर	अंक विभाजन	
मेजर (हिन्दी) प्रश्न पत्र	पत्र का प्रकार	क्रेडिट	लिखित	आन्तरिक मूल्यांकन
प्रथम प्रश्न पत्र	लिखित	5 (पाँच)	75	25
द्वितीय प्रश्न पत्र	लिखित	5 (पाँच)	75	25
तृतीय प्रश्न पत्र	लिखित	5 (पाँच)	75	25
चतुर्थ प्रश्न पत्र	लिखित	5 (पाँच)	75	25
शोध	लघु शोध	4 (चार)	100	–
		कुल क्रेडिट योग 24	कुल योग	500

माइनर प्रश्न पत्र	पत्र का प्रकार – लिखित/प्रायोगिक	क्रेडिट – 4 (चार)	अंक 100
नोट– स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर में छात्रा को मेजर विषय से अलग अन्य संकाय का माइनर विषय चुनना होगा।			
एम0ए0 प्रथम वर्ष (प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर) में निर्धारित कुल क्रेडिट = 20+24+4 = 48 (अड़तालिस)			

एम0ए0 द्वितीय वर्ष		तृतीय सेमेस्टर	अंक विभाजन	
मेजर (हिन्दी) प्रश्न पत्र	पत्र का प्रकार	क्रेडिट	लिखित	आन्तरिक मूल्यांकन
प्रथम प्रश्न पत्र	लिखित	5 (पाँच)	75	25
द्वितीय प्रश्न पत्र	लिखित	5 (पाँच)	75	25
तृतीय प्रश्न पत्र	लिखित	5 (पाँच)	75	25
चतुर्थ प्रश्न पत्र	लिखित	5 (पाँच)	75	25
शोध	लघु शोध			–
		कुल क्रेडिट योग 20	कुल योग	400

एम0ए0 द्वितीय वर्ष		चतुर्थ सेमेस्टर	अंक विभाजन	
मेजर (हिन्दी) प्रश्न पत्र	पत्र का प्रकार	क्रेडिट	लिखित	आन्तरिक मूल्यांकन
प्रथम प्रश्न पत्र	लिखित	5 (पाँच)	75	25
द्वितीय प्रश्न पत्र	लिखित	5 (पाँच)	75	25
तृतीय प्रश्न पत्र	लिखित	5 (पाँच)	75	25
चतुर्थ प्रश्न पत्र	लिखित	5 (पाँच)	75	25
शोध	लघु शोध	4 (चार)	100	–
		कुल क्रेडिट योग 24	कुल योग	500

एम0ए0 द्वितीय वर्ष / एम0ए0 तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में निर्धारित कुल क्रेडिट = 20+24 = 44 (अड़तालीस)
एम0ए0 प्रथम वर्ष (प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर) तथा एम0ए0 द्वितीय वर्ष (तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर) में निर्धारित कुल क्रेडिट = 48+44 = 92

शोध सम्बन्धित निर्देश

- छात्रा को स्नातकोत्तर के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में मुख्य विषय से सम्बन्धित लघु शोध परियोजना करनी होगी। लघु शोध परियोजना हेतु छात्रा को विभाग द्वारा निर्देशक नियुक्त किया जायेगा इस निमित्त आवश्यकतानुसार अन्य विषय के सह निर्देशक भी आवंटित किया जा सकता है।
- लघु शोध परियोजना को चार खण्ड में आवंटित करके हर खण्ड के निर्धारित अध्यायों को चार सेमेस्टर में पूर्ण करना होगा।
- छात्रा को स्नातकोत्तर के प्रथम वर्ष (दोनों सेमेस्टर में किये गये शोध कार्य का संयुक्त प्रबंध) में लिखा गया संयुक्त प्रबंध तथा द्वितीय वर्ष (दोनों सेमेस्टर में किये गये शोध कार्य का संयुक्त प्रबंध) में लिखा गया संयुक्त प्रबंध मूल्यांकन हेतु प्रत्येक वर्ष (इवेन सेमेस्टर) के अन्त में जमा करना अनिवार्य होगा।
- छात्रा द्वारा स्नातकोत्तर प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में जमा किये गये दोनों शोध प्रबंध का मूल्यांकन प्रत्येक वर्ष के अन्त में निर्देशक एवं विश्वविद्यालय द्वारा नामित बाह्य परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से 100 अंकों में किया जायेगा।
- शोध हेतु कुल 8 क्रेडिट आवंटित हैं।
- शोध परियोजना के वार्षिक प्राप्तांकों (100) पर ग्रेड निर्धारित होगा तथा इन अंकों के आधार पर सी0जी0पी0ए0 की गणना की जायेगी।

प्रश्न पत्र का पूर्णांक

- प्रत्येक प्रश्न पत्र का पूर्णांक 100 अंक प्रस्तावित है। 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन (रचनात्मक गतिविधियों) हेतु प्रस्तावित हैं।

हिन्दी विभाग

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी

वर्ष	सेमेस्टर	कोर्स कोड	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित / प्रायोगिक	क्रेडिट
एम0ए0 प्रथम वर्ष	प्रथम		प्रथम	प्राचीन एवं निर्गुण काव्य	लिखित	05
			द्वितीय	सगुण एवं रीति काव्य	लिखित	05
			तृतीय	गद्य साहित्य (निबंध एवं नाट्य साहित्य)	लिखित	05
			चतुर्थ	भारतीय काव्यशास्त्र	लिखित	05
एम0ए0 प्रथम वर्ष	द्वितीय		प्रथम	आधुनिक काव्य (मैथिलीशरण गुप्त, पंत, प्रसाद)	लिखित	05
			द्वितीय	आधुनिक काव्य (निराला, महादेवी वर्मा, अज्ञेय, मुक्तिबोध)	लिखित	05
			तृतीय	गद्य साहित्य (कथा साहित्य)	लिखित	05
			चतुर्थ	पाश्चात्य काव्य शास्त्र, आलोचना एवं आलोचक	लिखित	05

नोट :

- लघु शोध परियोजना के अन्तर्गत प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में संयुक्त रूप से लिखे गये लघु शोध को द्वितीय सेमेस्टर में एकीकृत कर हर छात्रा को मूल्यांकन हेतु डिजर्टेशन प्रस्तुत करना अनिवार्य है, ताकि समय से परीक्षाफल घोषित हो सके।
- उक्त हेतु कुल 4 क्रेडिट एवं 100 अंक निर्धारित हैं।

वर्ष	सेमेस्टर	कोर्स कोड	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित / प्रायोगिक	क्रेडिट
एम0ए0 द्वितीय वर्ष	तृतीय		प्रथम	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	लिखित	05
			द्वितीय	हिन्दी साहित्य का इतिहास (खण्ड क : आदिकाल से रीतिकाल तक)	लिखित	05
			तृतीय	वैकल्पिक प्रश्न पत्र :	लिखित	05
				1. लोक साहित्य		
				1. भक्ति काल		
				2. छायावाद		
			चतुर्थ	हिन्दी के विविध रूप एवं सूचना संजाल	लिखित	05
एम0ए0 द्वितीय वर्ष	चतुर्थ		प्रथम	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी व्याकरण	लिखित	05
			द्वितीय	हिन्दी साहित्य का इतिहास (खण्ड ख : आधुनिक काल से अब तक)	लिखित	05
			तृतीय	वैकल्पिक प्रश्न पत्र :	लिखित	05
				1. प्रेमचंद		
				2. समकालीन साहित्य		
				3. हिन्दी पत्रकारिता		
			चतुर्थ	पत्रकारिता एवं अनुवाद सिद्धान्त	लिखित	05

नोट :

- लघु शोध परियोजना के अन्तर्गत तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में संयुक्त रूप से लिखे गये लघु शोध को चतुर्थ सेमेस्टर में एकीकृत कर हर छात्रा को मूल्यांकन हेतु डिजर्टेशन प्रस्तुत करना अनिवार्य है, ताकि समय से परीक्षाफल घोषित हो सके।
- उक्त हेतु 4 क्रेडिट एवं 100 अंक निर्धारित है।
- प्रत्येक प्रश्न पत्र का पूर्णांक 100 अंक प्रस्तावित है। 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन हेतु प्रस्तावित है।

प्रथम प्रश्न पत्र

एम0ए0 प्रथम वर्ष – प्रथम सेमेस्टर

विषय – हिन्दी

	M.A. 1 Year	**Semester – 1**
Subject : Hindi		
Course Code : **Course Title : प्राचीन एवं निर्गुण काव्य**		
Credit - 5	Max Marks : 75+25=100 इस प्रश्नपत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।	Min. Passing Marks 30 अंक (लिखित) + 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन
अंक विभाजन : • व्याख्यात्मक प्रश्न – 10 × 3 = 30 • आलोचनात्मक प्रश्न – 15 × 2 = 30 • लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 × 3 = 15		

Total no of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week) 4.00 or 3.00

Unit इकाई	Topic	No. of Lectures Time On Hour
1	पृथ्वीराज रासो – पद्मावती समय कीर्तिलता – प्रथम पल्लव	16
2	विद्यापति पदावली (कुल दस पद) 1. नंदक नंदन देख 2. खने–खने नयन 3. सरस बसंत 4. विरह व्याकुल ये धनि 5. गगनक चाँद 6. लोचन नीर 7. सखी ही हमर 8. सजनी कानुक 9. सजनी के कह 10. लोचन धाये	16

3	कबीर (कुल 15 साखी एवं सबद) 1. दीपक दया तेल भरी 2. पानी ही ते हिम भया 3. यह तो घर है प्रेम का 4. नैना अन्तरि 5. कस्तूरी कुंडली बसे 6. दुलहिनी गावहु 7. काहे रे नलिनी 8. संतौ भाई आई ग्यान की आंधी 9. डगमग छाड़ि दे मन बौरा 10. दशरथ सुत 11. माया महा ठगिनी हम जानी 12. हस्ती चढ़िए ग्यान 13. मोको कहाँ ढूँढ़े बंदे मैं तो तेरे पास रे 14. जब मैं था तब हरि नहिं 15. ऊँचे कुल ते जनमिया	16
4	जायसी–पद्मावत, संपादित आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा। सिंहल द्वीप वर्णन खण्ड मानसरोदक खण्ड	16

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. डॉ0 नामवर सिंह – पृथ्वीराज रासो की भाषा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
3. शिव प्रसाद सिंह – कीर्तिलता अवहट्ट।
4. डॉ0 विपिन बिहारी त्रिवेदी – चंदबरदाई और उनका काव्य।
5. डॉ0 शुकदेव सिंह – भये कबीर कबीर, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6. विजय देव नारायण साही – हिन्दुस्तान अकादमी, इलाहाबाद।
7. डॉ0 राम पूजन तिवारी, ज्ञानमंडल – सूफी साधना और साहित्य।
8. श्यामसुंदर शुक्ल – हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति।
9. डॉ0 वासुदेव सिंह – कबीर साहित्य साधना और पंथ, संजय बुक सेंटर, वाराणसी।
10. डॉ0 रामचन्द्र तिवारी – कबीर मीमांसा।
11. कबीर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, वाराणसी।
12. पूरा कबीर : सं0 डॉ0 बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।

❖❖❖

द्वितीय प्रश्न पत्र

एम0ए0 प्रथम वर्ष – प्रथम सेमेस्टर

विषय – हिन्दी

	M.A. 1 Year	**Semester – 1**
Subject : Hindi		
Course Code : **Course Title : सगुण एवं रीति काव्य**		
Credit - 5	Max Marks : 75+25=100 इस प्रश्नपत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।	Min. Passing Marks 30 अंक (लिखित) + 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन
अंक विभाजन : • व्याख्यात्मक प्रश्न – 10 × 3 = 30 • आलोचनात्मक प्रश्न – 15 × 2 = 30 • लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 × 3 = 30		

Total no of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week)
4.00 or 3.00

Unit इकाई	Topic	No. of Lectures Time On Hour
1	सूरदास – भ्रमरगीत सार–सं0 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, पद संख्या–21–45	16
2	तुलसीदास – रामचरितमानस का उत्तरकाण्ड (दोहा संख्या–103 से 120 तक)	16
3	बिहारी – बिहारी वैभव, सं0 डॉ0 लक्ष्मी सिंह, डॉ0 पूनम श्रीवास्तव भक्ति : 1. मेरी भव बाधा हरौ ..... 2. या अनुरागी चित्त ..... 3. सीस मुकुट ..... 4. सोहत ओढ़े पीत पटु ..... संयोग श्रृंगार : 5. जोग जुगति सिखए ..... 6. तो पर वारौ उरबसी ..... 7. कहत नटत रीझत	16

	8. लरिव गुरुजन–बिच ..... 9. रससिंगार – मंजनु किये ..... 10. अंग–अंग नग जगमत ..... 11. छुटी न सिसुता की झलक ..... 12. अजौ न आए सहज रंग ..... 13. उर मानिक की उरबसी ..... 14. दृग उरझत टुटत कुटुम्ब ..... 15. उड़त गुड़ी लरिव ललन ..... 16. उनको हित उनही बनै ..... 17. सटपटाति सी ससिमुखी ..... 18. कर समेट कच भुज उलटि ..... 19. अहे दहेड़ी जिनि धरै ..... वियोग श्रंगार : 20. औंधाई सीसी, ... 21. इत आवति ..... 22. आड़ै दे आले बसन ..... 23. जब जब वै सुधि ..... 24. सुनत पथिक मुँह माघ ..... 25. इन दुखियाँ अँखियानु को ..... प्रकृति एवं नीति : 26. रनित भृंग–घंटावली ..... 27. बैठी रही अति सघन ..... 28. चुवत स्वेद मकरंद ..... 29. अजौ तर्‌यौना ही ..... 30. नहीं पराग नहिं मधुर ..... 31. तत्रीनाद कवित्त रस ..... 32. स्वारथु सुकतु न श्रमवृथा ..... 33. जो सिर धरि ..... 34. इक भीजै चहले	
4	घनानन्द – सं0 डॉ0 लक्ष्मी सिंह, डॉ0 पूनम श्रीवास्तव 1. झलकै अति आनन सुन्दर गौर ..... 2. भोर ते सांझ लौ ..... 3. मीत सुजान अनीति ..... 4. तब तो छवि पीवत ..... 5. पहिले अपनाय ..... 6. आसा गुन–बांध ..... 7. चंद चकोर की चाह करे ..... 8. ए रे वीर पौन ..... 9. अति सूधो सनेह ..... 10. मरिबो बिसराम गनै ..... 11. हीन भये जलमीन ..... 12. कित को ढरि गौ	16

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. सूरदास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. मध्यकालीन धर्म साधना – डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, साहित्य भवन, प्रा0लि0, इलाहाबाद।
3. भक्ति काव्य : स्वरूप और संवेदना – डॉ0 रामनारायण शुक्ल, संजय बुक सेंटर, गोलघर, वाराणसी।
4. तुलसीदास – आ0 रामचन्द्र शुक्ल, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
6. बिहारी का नया मूल्यांकन – डॉ0 बच्चन सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. बिहारी सतसई का मूल्यांकन – हरेन्द्र प्रताप सिन्हा, स्मृति प्रकाशन।
8. बिहारी की वाग्विभूति – आ0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, गोलघर, वाराणसी।
9. तुलसी – सम्पादक, उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. घनानन्द – लल्लन राय, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।
11. घनानन्द : एक अध्ययन – राजेन्द्र मोहन भटनागर, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
12. महाकवि सूरदास – नन्ददुलारे वाजपेयी, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली।

❖❖❖

तृतीय प्रश्न पत्र

एम0ए0 प्रथम वर्ष – प्रथम सेमेस्टर

विषय – हिन्दी

	M.A. 1 Year	**Semester – 1**
Subject : Hindi		
Course Code : **Course Title : गद्य साहित्य (निबंध एवं नाटक)**		
Credit - 5	Max Marks : 75+25=100 इस प्रश्नपत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।	Min. Passing Marks 30 अंक (लिखित) + 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन
अंक विभाजन : • व्याख्यात्मक प्रश्न – 10 × 3 = 30 • समीक्षात्मक प्रश्न – 15 × 2 = 30 • लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 × 3 = 15		

Total no of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week) 4.00 or 3.00

Unit इकाई	Topic	No. of Lectures Time On Hour
1	निबंध : • कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता – महावीर प्रसाद द्विवेदी • कविता क्या है – रामचन्द्र शुक्ल	16
2	• अशोक के फूल – हजारी प्रसाद द्विवेदी • गेहूँ बनाम गुलाब – रामवृक्ष बेनीपुरी • शेफाली झर रही है – विद्यानिवास मिश्र	16
3	• सौन्दर्य की वस्तुगत सत्ता और सामाजिक विकास – रामविलास शर्मा • निषाद बाँसुरी – कुबेरनाथ राय	16
4	नाटक : • चन्द्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद • आधे–अधूरे – मोहन राकेश	16

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. रसज्ञ रंजन – आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी
2. चिन्तामणि भाग एक – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, इण्डियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग
3. अशोक के फूल – हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिन्दी निबंधकार – जयनाथ नलिन, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
5. हिन्दी निबंध और निबंधकार – ठाकुर प्रसाद सिंह, हिन्दू पुस्तक एजेन्सी, बनारस
6. चन्द्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद, विजय प्रकाशन, वाराणसी
7. प्रसाद वाङ्मय जयशंकर प्रसाद रचनावली – श्री रत्नशंकर प्रसाद, प्रसाद प्रकाशन, गोवर्धन सराय, वाराणसी।
8. मोहन राकेश के नाटक – डॉ0 द्विजराम, साहित्यालोक प्रकाशन, कानपुर
9. आधे–अधूरे – मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

❖❖❖

चतुर्थ प्रश्न पत्र

एम0ए0 प्रथम वर्ष – प्रथम सेमेस्टर

विषय – हिन्दी

	M.A. 1 Year	**Semester – 1**
Subject : Hindi		
Course Code : **Course Title : भारतीय काव्यशास्त्र**		
Credit - 5	Max Marks : 75+25=100 इस प्रश्नपत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।	Min. Passing Marks 30 अंक (लिखित) + 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन
अंक विभाजन : • दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 15 × 3 = 45 • लघु उत्तरीय प्रश्न – 6 × 5 = 30		

Total no of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week)
4.00 or 3.00

Unit इकाई	Topic	No. of Lectures Time On Hour
1	भारतीय काव्यशास्त्र – काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु, काव्य के प्रकार • रस सिद्धान्त – रस का स्वरूप, रस के अवयव, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण	16
2	• अलंकार सिद्धान्त – प्रमुख आचार्य, मूल स्थपानाएँ, वर्गीकरण • रीति सिद्धान्त – रीति की अवधारणा, रीति के भेद	16
3	• वक्रोक्ति सिद्धान्त – अवधारणा और भेद • ध्वनि सिद्धान्त – ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि के भेद	16
4	• औचित्य सिद्धान्त – प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद • रूपक एवं उपरूपक, गुण।	16

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ0 भगीरथ मिश्र।
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त, डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. भारतीय काव्यशास्त्र, निशा अग्रवाल, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. काव्यशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य), डॉ0 अजित सिंह, विजय प्रकाशन मंदिर, वाराणसी।
5. भारतीय काव्यशास्त्र की रूपरेखा, डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
6. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिमान, डॉ0 जगदीश प्रसाद कौशिक, साहित्यागार, चौड़ा रास्ता, जयपुर।
7. भारतीय काव्यशास्त्र – योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ0 बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

❖❖❖

प्रथम प्रश्न पत्र

एम0ए0 प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर

विषय – हिन्दी

	M.A. 1 Year	**Semester – 2**
Subject : Hindi		
Course Code : **Course Title : आधुनिक काव्य (खण्ड क)**		
Credit - 5	Max Marks : 75+25=100 इस प्रश्नपत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।	Min. Passing Marks 30 अंक (लिखित) + 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन
अंक विभाजन : • व्याख्यात्मक प्रश्न – 10 × 3 = 30 • आलोचनात्मक प्रश्न – 15 × 2 = 30 • लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 × 3 = 15		

Total no of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week) 4.00 or 3.00

Unit इकाई	Topic	No. of Lectures Time On Hour
1	आधुनिक काव्य प्रवृत्तियाँ	16
2	मैथिलीशरण गुप्त – साकेत (नवम् सर्ग)	16
3	जयशंकर प्रसाद – कामायनी (श्रद्धा एवं लज्जा सर्ग)	16
4	सुमित्रानन्दन पन्त – परिवर्तन (6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 19, 20) एकतारा।	16

पाठ्यपुस्तक :

साकेत – मैथिलीशरण गुप्त, साहित्य भवन, चिरगाँव, झाँसी।

तारापथ – सुमित्रानन्दन पन्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. साकेत एक अध्ययन : डॉ0 नगेन्द्र।

3. पंत, प्रसाद, मैथिलीशरण गुप्त : रामधारी सिंह 'दिनकर'।
4. कामायनी : एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. प्रसाद–निराला–अज्ञेय – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी – निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. छायावाद – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. आधुनिक हिन्दी कविता में विचार – डॉ0 बलदेव वंशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

❖❖❖

द्वितीय प्रश्न पत्र

एम0ए0 प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर

विषय – हिन्दी

	M.A. 1 Year	**Semester – 2**
Subject : Hindi		
Course Code : **Course Title : आधुनिक काव्य (खण्ड ख)**		
Credit - 5	Max Marks : 75+25=100 इस प्रश्नपत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।	Min. Passing Marks 30 अंक (लिखित) + 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन
अंक विभाजन : • व्याख्यात्मक प्रश्न – 10 × 3 = 30 • आलोचनात्मक प्रश्न – 15 × 2 = 30 • लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 × 3 = 15		

Total no of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week) 4.00 or 3.00

Unit इकाई	Topic	No. of Lectures Time On Hour
1	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – राम की शक्तिपूजा, वनबेला, सरोज स्मृति	16
2	महादेवी वर्मा : • चुभते ही तेरे अरुण बान (रश्मि) • रुपसी तेरा घन केश पाश (नीरजा) • क्या पूजन क्या अर्चन रे (नीरजा) • विरह का जलजात जीवन (नीरजा) • मैं नीर भरी दुःख की बदली (सांध्यगीत)	16
3	सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' – 'असाध्यवीणा'	16
4	गजानन माधव 'मुक्तिबोध' – 'अंधेरे में'	16

पाठ्यपुस्तक :

1. राग विराग – रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. आँगन के पार द्वार – अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. चाँद का मुँह टेढ़ा है – मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली।

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास – नन्दकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. कविता के तीन दरवाजे – अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. नयी कविताएँ एक साक्ष्य – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. कविता पहचान का संकट – नन्दकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. 'असाध्य वीणा' की साधना – सं0 प्रो0 वशिष्ठ अनूप, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, (मूल्यांकन और पाठ)।
7. 'अंधेरे में' : एक पुनर्विचार – सं0 डॉ0 वशिष्ठ अनूप, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
8. निराला आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. नई कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. महादेवी – परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, वाराणसी।

❖❖❖

तृतीय प्रश्न पत्र

एम0ए0 प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर

विषय – हिन्दी

	M.A. 1 Year	**Semester – 2**
Subject : Hindi		
Course Code : **Course Title : कथा साहित्य**		
Credit - 5	Max Marks : 75+25=100 इस प्रश्नपत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।	Min. Passing Marks 30 अंक (लिखित) + 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन
अंक विभाजन : • व्याख्यात्मक प्रश्न – 10 × 3 = 30 • आलोचनात्मक प्रश्न – 15 × 2 = 30 • लघु उत्तरीय प्रश्न – 5 × 3 = 15		

Total no of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week) 4.00 or 3.00

Unit इकाई	Topic	No. of Lectures Time On Hour
1	उपन्यास : • गोदान – प्रेमचन्द • तेभ्यः स्वधा – नीरजा माधव	16
2	कहानी : • कफन – प्रेमचन्द • पत्नी – जैनेन्द्र	16
3	रोज – अज्ञेय गुलकी बन्नो – धर्मवीर भारती	16
4	परिन्दे – निर्मल वर्मा एक और जिन्दगी – मोहन राकेश	16

पाठ्यपुस्तक :

1. हिन्दी कहानी – सं0 डॉ0 अर्चना सिंह, सपना अशोक प्रकाशन, वाराणसी।

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी गद्य का इतिहास – रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
2. हिन्दी गद्य विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
3. हिन्दी उपन्यास का विकास – मधुरेश, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. प्रेमचन्द और उनका युग – रामविलास शर्मा, मेहरचन्द मुंशीराम, फैज बाजार, दिल्ली।
6. कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. नयी कहानी संवेदना एवं स्वरूप – प्रो0 रामकली सराफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
8. कहानीकार प्रेमचन्द : रचना दृष्टि और रचना शिल्प – रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

❖❖❖

चतुर्थ प्रश्न पत्र

एम0ए0 प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर

विषय – हिन्दी

	M.A. 1 Year	**Semester – 2**
Subject : Hindi		
Course Code : **Course Title : पाश्चात्य काव्यशास्त्र, हिन्दी आलोचना और आलोचक**		
Credit - 5	Max Marks : 75+25=100 इस प्रश्नपत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।	Min. Passing Marks 30 अंक (लिखित) + 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन
अंक विभाजन : • दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 15 × 3 = 45 • लघु उत्तरीय प्रश्न – 6 × 5 = 30		

Total no of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week) 4.00 or 3.00

Unit इकाई	Topic	No. of Lectures Time On Hour
1	• प्लेटो – काव्य सिद्धान्त • अरस्तू – अनुकरण का सिद्धान्त, त्रासदी एवं विरेचन सिद्धान्त	16
2	• टी0एस0 इलियट – परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा। निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण। • आई0ए0 रिचर्डस – व्यावहारिक आलोचना।	16
3	• सिद्धान्त और वाद – स्वच्छन्दतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद	16
4	• आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ0 नगेन्द्र एवं रामविलास शर्मा।	16

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त, डॉ0 शांतिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य–सिद्धान्त, डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. आलोचक का दायित्व, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, देवेन्द्र नाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6. आई0ए0 रिचर्ड्स के काव्य सिद्धान्त, शंभुदत्त झा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, प्रो0 भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
8. पाश्चात्य साहित्य चिंतन, निर्मला जैन और कुसुम सेठिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. पाश्चात्य साहित्यालोचन और हिन्दी पर उसका प्रभाव, डॉ0 रवीन्द्र सहाय वर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
10. आलोचक और आलोचना, डॉ0 बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, डॉ0 नगेन्द्र।

❖❖❖

प्रथम प्रश्न पत्र
एम0ए0 द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर
विषय – हिन्दी

	M.A. 2 Year	**Semester – 3**
Subject : Hindi		
Course Code : **Course Title : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा**		
Credit - 5	Max Marks : 75+25=100 इस प्रश्नपत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।	Min. Passing Marks 30 अंक (लिखित) + 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन
अंक विभाजन : • दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 15 × 3 = 45 • लघु उत्तरीय प्रश्न – 6 × 5 = 30		

Total no of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week)
4.00 or 3.00

Unit इकाई	Topic	No. of Lectures Time On Hour
1	भाषा एवं भाषा विज्ञान : • भाषा का स्वरूप एवं परिभाषा • तत्व एवं विशेषताएँ (संरचनागत एवं स्वभावगत) • भाषा एवं बोली में अन्तर • भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ • भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं प्रकृति • अध्ययन पद्धतियाँ • भाषा विज्ञान का क्षेत्र एवं शाखाएँ	16
2	ध्वनि विज्ञान : • स्वरूप • वर्गीकरण • मानस्वर • ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ • ध्वनि परिवर्तन के कारण ध्वनि ग्राम विज्ञान (स्वनिम विज्ञान) : • स्वनिम विज्ञान से अभिप्राय • स्वनिम का स्वरूप • स्वनिम (फोनीम) की विशेषताएँ • संस्वन की विशेषता • स्वनिम–विज्ञान की उपयोगिता • स्वनिम और संस्वन	16

3	अर्थ विज्ञान • अर्थ का महत्व • शब्द और अर्थ का सम्बन्ध • अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ • अर्थ परिवर्तन के कारण	16
4	हिन्दी भाषा • आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण • हिन्दी की उपभाषाएँ : पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी, पहाड़ी। • हिन्दी की बोलियाँ : खड़ी बोली, ब्रज, अवधी। • हिन्दी की संवैधानिक स्थिति • सम्पर्क भाषा, राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी, समस्याएँ और समाधान।	16

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान : डॉ0 भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान : डॉ0 कपिल देव द्विवेदी
3. आधुनिक भाषा विज्ञान : डॉ0 राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. समसामयिक हिन्दी में रूपस्वानिमीकी : डॉ0 सुधाकर सिंह
5. सामान्य भाषा विज्ञान : बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
6. भारतीय भाषाशास्त्र के सूत्रधार : रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. भाषा विज्ञान : द्वारिका प्रसाद सक्सेना

❖❖❖

द्वितीय प्रश्न पत्र

एम0ए0 द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर

विषय – हिन्दी

	M.A. 2 Year	**Semester – 3**
Subject : Hindi		
Course Code : **Course Title : हिन्दी साहित्य का इतिहास – खण्ड 'क' (प्रारम्भ से रीतिकाल तक)**		
Credit - 5	Max Marks : 75+25=100 इस प्रश्नपत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।	Min. Passing Marks 30 अंक (लिखित) + 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन
अंक विभाजन : • आलोचनात्मक प्रश्न – 15 × 3 = 45 • लघु उत्तरीय प्रश्न – 6 × 5 = 30		

Total no of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week) 4.00 or 3.00

Unit इकाई	Topic	No. of Lectures Time On Hour
1	हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, नामकरण एवं सीमा निर्धारण	16
2	आदिकाल की परिस्थितिया, प्रवृत्तियाँ, (सिद्ध, नाथ, जैन एवं रासो काव्य), विशेषताएँ, महत्व, प्रमुख रचनाकार और उनकी रचनाएँ)	16
3	(क) पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की परिस्थितियाँ, भक्ति आन्दोलन के कारण, विभिन्न काव्य धाराएँ। प्रमुख निर्गुण संत कवि : सम्प्रदाय और उनका अवदान, भारत में सूफी मत का विकास एवं प्रमुख सूफी कवि और काव्य। (ख) रामकाव्य, कृष्ण काव्य, रामकृष्णेत्तर काव्य, प्रमुख कवि रचनाएँ वैशिष्ट्य।	16
4	रीतिकाल : परिस्थितियाँ, नामकरण, लक्षण ग्रंथों की परम्परा, विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध रीतिमुक्त) प्रमुख प्रवृत्तियाँ, विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ।	16

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।

3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग, नई दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास : डॉ0 वासुदेव सिंह, संजय बुक सेन्टर, गोलघर, वाराणसी।
5. हिन्दी साहित्य : एक परिचय, डॉ0 त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन।
7. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिकेशिंग हाउस, दिल्ली।

❖❖❖

तृतीय प्रश्न पत्र

एम0ए0 द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर

विषय – हिन्दी

	M.A. 2 Year	**Semester – 3**
Subject : Hindi		
Course Code : **Course Title : लोक साहित्य (वैकल्पिक)**		
Credit - 5	Max Marks : 75+25=100 इस प्रश्नपत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।	Min. Passing Marks 30 अंक (लिखित) + 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन
अंक विभाजन : • आलोचनात्मक प्रश्न – 15 × 3 = 45 • लघु उत्तरीय प्रश्न – 6 × 5 = 30		

Total no of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week) 4.00 or 3.00

Unit इकाई	Topic	No. of Lectures Time On Hour
1	लोक साहित्य : लोक साहित्य की अवधारणा 'लोकवार्ता, लोक संस्कृति हिन्दी साहित्य में लोक तत्व शिष्ट साहित्य का लोक साहित्य से संबंध	16
2	1. भारत में लोक साहित्य का इतिहास 2. लोक साहित्य के संकलन की समस्याएँ	16
3	लोक साहित्य की प्रमुख विधाएँ एवं वर्गीकरण : लोकगीत, लोकनाट्य, लोकगाथा, लोककथा, लोकसंगीत, लोकनृत्य	16
4	लोकभाषा : सुभाषित, मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ	16

नोट : वैकल्पिक विषय से केवल आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । (व्याख्यात्मक प्रश्न नहीं पूछे जायेंगे।)

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. डॉ0 सत्येन्द्र – लोक साहित्य विज्ञान
2. डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय – लोक साहित्य की भूमिका
3. डॉ0 कुंदन लाल उप्रेती – लोक साहित्य के प्रतिमान
4. डॉ0 श्याम परमार – भारतीय लोक साहित्य
5. डॉ0 विलोचन पांडे – लोक साहित्य का अध्ययन
6. डॉ0 विद्या चौहान – लोक साहित्य, सरस्वती प्रकाशन।

❖❖❖

तृतीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

एम0ए0 द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर

विषय – हिन्दी

	M.A. 2 Year	**Semester – 3**
Subject : Hindi		
Course Code : **Course Title : भक्तिकाल**		
Credit - 5	Max Marks : 75+25=100 इस प्रश्नपत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।	Min. Passing Marks 30 अंक (लिखित) + 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन
अंक विभाजन : • आलोचनात्मक प्रश्न – 15 × 3 = 45 • लघु उत्तरीय प्रश्न – 6 × 5 = 30		

Total no of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week) 4.00 or 3.00

Unit इकाई	Topic	No. of Lectures Time On Hour
1	भक्तिकाल का सामान्य परिचय : भक्ति की अवधारणा, भक्तिकाल : पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियाँ, भक्ति आन्दोलन के कारण, नामकरण, विभिन्न काव्य धाराएँ, प्रमुख कवि एवं उनका काव्य।	16
2	**कबीर, जायसी, रैदास** कबीर – कबीर वाणी पीयूष सम्पादक – डॉ0 जयदेव सिंह, डॉ0 वासुदेव सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी। मलिक मुहम्मद जायसी : पद्मावत–नागमती वियोग खण्ड सम्पादक – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी। रैदास : रैदास ग्रंथावली, सं0 डॉ0 जगदीश शरण, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद (उ0प्र0)	16

3	सूरदास सूरदास – सूरसागर सम्पादक – श्री नन्ददुलारे वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।	16
4	**तुलसीदास, मीराबाई** • तुलसीदास – विनय पत्रिका, गीता प्रेस, गोरखपुर • तुलसीदास – कवितावली, गीता प्रेस गोरखपुर • तुलसीदास – दोहावली, गीता प्रेस, गोरखपुर • मीराबाई – मीरा संचयन, सम्पादक–नन्द चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन।	16
नोट– वैकल्पिक प्रश्नपत्र से केवल आलोचनात्मक प्रश्न ही पूछे जायेंगे। (व्याख्यात्मक प्रश्न नहीं पूछा जायेगा।)		

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग, नई दिल्ली।
3. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन।
4. हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास : डॉ0 वासुदेव सिंह, संजय बुक सेन्टर, गोलघर, वाराणसी।
5. भक्ति काव्य : स्वरूप और संवेदना, डॉ0 रामनारायण शुक्ल, संजय बुक सेन्टर, गोलघर, वाराणसी।
6. तुलसीदास : आ0 रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
7. महाकवि सूरदास : नन्ददुलारे वाजपेयी, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली।
8. सूरदास : आ0 रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
9. त्रिवेणी : आ0 रामचन्द्र शुक्ल।
10. कबीर : आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, वाराणसी।
11. पूरा कबीर – सं0 डॉ0 बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।

❖❖❖

तृतीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

एम0ए0 द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर

विषय – हिन्दी

	M.A. 2 Year	**Semester – 3**
Subject : Hindi		
Course Code : **Course Title : छायावाद**		
Credit - 5	Max Marks : 75+25=100 इस प्रश्नपत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।	Min. Passing Marks 30 अंक (लिखित) + 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन
अंक विभाजन : • आलोचनात्मक प्रश्न – 15 × 3 = 45 • लघु उत्तरीय प्रश्न – 6 × 5 = 30		

Total no of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week) 4.00 or 3.00

Unit इकाई	Topic	No. of Lectures Time On Hour
1	खण्ड (क) छायावाद : पद्य साहित्य • छायावाद की पृष्ठभूमि, नामकरण • छायावाद की प्रवृत्तियाँ	16
2	छायावादी काव्य : • जयशंकर प्रसाद आँसू • सुमित्रानन्दन पंत : हिमाद्री नौका विहार प्रथम रश्मि रंगिणी का आना • सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : जागो फिर एक बार राम की शक्ति पूजा सरोज स्मृति कुकुरमुक्ता	16

	• महादेवी वर्मा : जो तुम आ जाते एक बार। दीप मेरे जल अकम्पित। मैं नीर भरी दुख की बदली। मधुर–मधुर मेरे दीपक जल।	
3	खण्ड (ख) छायावाद : गद्य साहित्य • नाटक : जयशंकर प्रसाद – अजातशत्रु • एकांकी : डॉ0 रामकुमार वर्मा – उत्सर्ग • निबन्ध : महादेवी वर्मा – श्रृंखला की कड़ियाँ	16
4	• उपन्यास : सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला – कुल्ली भाट • कहानी : जयशंकर प्रसाद – आकाशदीप सुमित्रानन्दन पंत – दम्पत्ति महादेवी वर्मा – बिन्दा डॉ0 रामकुमार वर्मा – चेरी के पेड़ • कथेतर साहित्य आलोचना : डॉ0 राम कुमार वर्मा – साहित्य समालोचना रेखाचित्र : महादेवी वर्मा – रामा।	16
नोट– वैकल्पिक प्रश्नपत्र से केवल आलोचनात्मक प्रश्न ही पूछे जायेंगे। (व्याख्यात्मक प्रश्न नहीं पूछा जायेगा।)		

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. छायावाद – डॉ0 नामवर सिंह, प्रकाशक राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. छायावाद : पुनर्मूल्यांकन – सुमित्रानन्दन पंत।
3. प्रसाद का साहित्य – सं0 कृष्णदेव प्रसाद गौण 'बेढब' बनारसी, प्रकाशक प्रसाद परिषद, बड़ी पियरी, वाराणसी।
4. आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ – डॉ0 नगेन्द्र, प्रकाशक नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
5. क्रान्तिकारी कवि निराला – डॉ0 बच्चन सिंह, प्रकाशक विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6. छायावाद का काव्य शिल्प – प्रतिमा कृष्णबल, प्रकाशक राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. महादेवी के काव्य में वेदना – डॉ0 प्रभा खरे।

8. महादेवी का काव्य साधना – डॉ0 शिवमंगल सिंह 'सुमन'।
9. महाकवि सुमित्रानन्दन पंत : सृजन और चिन्तन – हरिमोहन मालवीय, डॉ0 अनिल कुमार सिंह।
10. प्रसाद का काव्य – डॉ0 प्रेम शंकर।
11. निराला की साहित्य साधना – डॉ0 रामविलास शर्मा
12. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेन्द्र, प्रकाशक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर।
13. जयशंकर प्रसाद – डॉ0 नंददुलारे वाजपेयी।
14. सुमित्रानन्दन पंत – डॉ0 नगेन्द्र।
15. रामकुमार वर्मा का साहित्य और सूक्ति : एक अध्ययन – दीपिका कटियार।
16. महादेवी नया मूल्यांकन – डॉ0 गणपति चन्द गुप्त।
17. विवेचनात्मक गद्य – महादेवी वर्मा
18. छायावाद युग – डॉ0 शम्भूनाथ सिंह
19. तारापथ – सुमित्रानन्दन पंत, प्रकाशक लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
20. भारतीय साहित्य के निर्माता – डॉ0 रामकुमार वर्मा, कृष्णचन्द्र लाल
21. प्रसाद साहित्य आँसू तथा अन्य कविताएँ – जयशंकर प्रसाद, प्रकाशक भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नई दिल्ली।
22. अजातशत्रु – जयशंकर प्रसाद, प्रकाशक भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नई दिल्ली।
23. प्रसाद ग्रन्थावली – भाग – 4, प्रकाशक भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नई दिल्ली।
24. छायावाद : प्रसाद, निराला महादेवी और पन्त, संपादक– ज्ञानेन्द्र कुमार सन्तोष।
25. श्रृंखला की कड़ियाँ – महादेवी वर्मा।

❖❖❖

चतुर्थ प्रश्न पत्र

एम0ए0 द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर

विषय – हिन्दी

	M.A. 2 Year	**Semester – 3**
Subject : Hindi		
Course Code : **Course Title : प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं सूचना संजाल**		
Credit - 5	Max Marks : 75+25=100 इस प्रश्नपत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।	Min. Passing Marks 30 अंक (लिखित) + 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन
अंक विभाजन : • आलोचनात्मक प्रश्न – 15 × 3 = 45 • लघु उत्तरीय प्रश्न – 6 × 5 = 30		

Total no of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week)
4.00 or 3.00

Unit इकाई	Topic	No. of Lectures Time On Hour
1	प्रयोजनमूलक हिन्दी : • प्रयोजनमूलक हिन्दी का अभिप्राय, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा का सामान्य परिचय। • राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति (अनु0 343–351 तक)। • प्रशासनिक हिन्दी की प्रमुख विशेषताएँ। • पारिभाषिक शब्दावली – पारिभाषिक शब्दावली का अर्थ, प्रकार, महत्व तथा निर्माण के प्रमुख सिद्धान्त) • पत्राचार के विविध रूप – पत्र, परिपत्र, कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, अनुस्मारक पत्र, अर्द्धशासकीय पत्र, तार, प्रेस नोट, प्रेस विज्ञप्ति, कूटपत्र, निविदा (टेंडर)।	16
2	कम्प्यूटर एवं सूचना संजाल : • कम्प्यूटर का संक्षिप्त परिचय एवं महत्व। • सूचना संजाल : परिभाषा, प्रकार एवं माध्यम। • टेलेक्स, वायरलेस, फैक्स, ई–मेल। • इन्टरनेट का सामान्य परिचय एवं क्रियाकलाप।	16

3	मीडिया लेखन : ● जनसंचार की अवधारणा, प्रक्रिया एवं महत्व। ● जनसंचार माध्यमों के प्रकार – मुद्रण माध्यम, श्रव्य माध्यम एवं श्रव्य–दृश्य माध्यम। ● मुद्रण माध्यम : समाचार लेखन, समाचार की विशेषता। ● श्रव्य माध्यम : ● भारत में रेडियों का विकास। ● वर्तमान समय में रेडियों का महत्व।	16
4	श्रव्य–दृश्य माध्यम : ● टेलीविजन, फिल्म, श्रव्य–दृश्य माध्यमों की भाषा। ● साहित्य की विधाओं का श्रव्य–दृश्य माध्यमों में रूपान्तरण। ● श्रव्य एवं दृश्य सामग्री का सामंजस्य। ● पटकथा लेखन। ● संवाद लेखन।	16

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ0 दंगल झाल्टे।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं काव्य विवेचन – डॉ0 राजकुमारी रानी, प्रकाशक–सपना अशोक प्रकाशन, वाराणसी।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी – राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव, डॉ0 ऋचा सुकुमार, डॉ0 शार्दूल विक्रम सिंह।
4. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनमाध्यम – संजीव भानावत, प्रकाशक–यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन्स, जयपुर।
5. पत्रकारिता : विविध विधाएँ – डॉ0 राजकुमारी रानी, प्रकाशक–जयभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
6. हिन्दी भाषा भाग–2, डॉ0 ईश्वरदत्त शील।
7. हिन्दी आलेखन एवं टिप्पण – डॉ0 ओम प्रकाश शर्मा।
8. आकाशवाणी – रामबिहारी शर्मा, प्रकाशक–जयभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
9. रेडियों और दूरदर्शन पत्रकारिता – डॉ0 हरिमोहन।
10. फीचर : एक कला – डॉ0 राजकुमारी रानी, प्रकाशक–कुशल पब्लिकेशन्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स, वाराणसी।
11. मीडिया लेखन : सिद्धान्त और व्यवहार – डॉ0 चन्द्र प्रकाश मिश्र।
12. मीडिया लेखन – संपा. डॉ0 रमेश चन्द्र त्रिपाठी एवं डॉ0 पवन अग्रवाल।
13. सिनेमा की संवेदना – विजय अग्रवाल, प्रकाशक–प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
14. समाचार सम्पादन – प्रेमनाथ चतुर्वेदी, प्रकाशक–उपहार प्रकाशन, दिल्ली।
15. प्रयोजन मूलक हिन्दी – विजय कुलश्रेष्ठ, प्रकाशक–पंचशील प्रकाशन, जयपुर।

16. आधुनिक समाज में पत्रकारिता – डॉ0 कमलेश दीक्षित, प्रकाशक–मोहित पब्लिकेशन्स, दिल्ली।
17. समाचार संकलन और लेखन – नंद किशोर त्रिखा, प्रकाशक–उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, वाराणसी।
18. पत्रकारिता एक परिचय – डॉ0 मधुधवन, प्रकाशक–बोध प्रकाशन, मद्रास।

❖❖❖

चतुर्थ प्रश्न पत्र

एम0ए0 द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर

विषय – हिन्दी

	M.A. 2 Year	**Semester – 3**
Subject : Hindi		
Course Code : **Course Title : प्रयोजनमूल हिन्दी : हिन्दी के विविध रूप एवं सूचना संजाल**		
Credit - 5	Max Marks : 75+25=100 इस प्रश्नपत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।	Min. Passing Marks 30 अंक (लिखित) + 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन
अंक विभाजन : • आलोचनात्मक प्रश्न – 15 × 3 = 45 • लघु उत्तरीय प्रश्न – 6 × 5 = 30		

Total no of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week) 4.00 or 3.00

Unit इकाई	Topic	No. of Lectures Time On Hour
1	• प्रयोजनमूलक हिन्दी – अर्थ, परिभाषा एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी की विशेषताएँ। • राजभाषा, राष्ट्रभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी • राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति (अनुच्छेद 343–351) • पत्राचार के विविध रूप – पत्र, परिपत्र, कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, अनुस्मारक पत्र, अर्द्धशासकीय पत्र, तार, प्रेसनोट, कूटपत्र, निविदा, प्रशासनिक हिन्दी की प्रमुख विशेषताएँ।	16
2	संक्षेपण – अर्थ, प्रविधि और महत्व। पल्लवन – अर्थ, प्रविधि और महत्व। टिप्पणी – अर्थ, प्रकार और महत्व।	16
3	पारिभाषिक शब्दावली – अर्थ, प्रकार, महत्व और निर्माण के प्रमुख सिद्धान्त।	16

4	कम्प्यूटर एवं सूचना संजाल • कम्प्यूटर – संक्षिप्त परिचय एवं महत्व, कम्प्यूटर की पीढ़ियाँ, कम्प्यूटर के प्रकार। • सूचना संजाल – परिभाषा, प्रकार, महत्व। • सूचना संजाल के माध्यम – टेलेक्स, वायरलेस, फैक्स, ई–मेल, इण्टरनेट सामान्य परिचय, क्रियाकलाप एवं महत्व।	16

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ0 कमल कुमार बोस, प्रकाशक– क्लॉसिकल पब्लिशिंग कम्पनी, दिल्ली।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं काव्य विवेचन – डॉ0 राजकुमारी रानी, प्रकाशक– सपना अशोक प्रकाशन, वाराणसी।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी – रघुनन्दन प्रसाद शर्मा, प्रकाशक– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. पत्रकारिता : विविध विधाएँ – डॉ0 राजकुमारी रानी, प्रकाशक– जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. संचार क्रान्ति एवं विश्व जन माध्यम – डॉ0 प्रेमचन्द पातंजलि, डॉ0 अनिल अंकित, प्रकाशक– भारत बुक सेन्टर लखनऊ।
6. इन्टरनेट पत्रकारिता – सुरेश कुमार, प्रकाशन– तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
7. नये जमाने की पत्रकारिता – सौरभ शुक्ल, प्रकाशक– विजडम विलेज पब्लिकेशन।
8. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटरिंग – डॉ0 संजीव कुमार, प्रकाशक– कैलास पुस्तक सदन, भोपाल।
9. आधुनिक जनसंचार एवं हिन्दी – हरिमोहन, प्रकाशक– तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
10. हिन्दी बहस और कम्प्यूटर – संतोष गोयल, प्रकाशक– श्री नटराज प्रकाशन।

❖❖❖

प्रथम प्रश्न पत्र

एम0ए0 द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर

विषय – हिन्दी

	M.A. 2 Year	**Semester – 4**
Subject : Hindi		
Course Code : **Course Title : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी व्याकरण**		
Credit - 5	Max Marks : 75+25=100 इस प्रश्नपत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।	Min. Passing Marks 30 अंक (लिखित) + 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन
अंक विभाजन : • दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 15 × 3 = 45 • लघु उत्तरीय प्रश्न – 6 × 5 = 30		

Total no of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week)
4.00 or 3.00

Unit इकाई	Topic	No. of Lectures Time On Hour
1	रूप विज्ञान : स्वरूप एवं परिभाषा • सम्बन्ध तत्व एवं अर्थ तत्व • सम्बन्ध तत्व के भेद • रूप परिवर्तन के कारण	16
2	वाक्य विज्ञान : स्वरूप एवं भेद • वाक्य विश्लेषण • वाक्य के निकटस्थ अवयव • वाक्य की आन्तरिक संरचना और बाह्य संरचना	16
3	शैली विज्ञान : शैली विज्ञान का स्वरूप • काव्य भाषा और सामान्य भाषा में अन्तर • शैली विज्ञान के प्रमुख निकष – चयन, विचलन, समानान्तरता	16

4	हिन्दी व्याकरण एवं लिपि : • हिन्दी के सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं परसर्ग • हिन्दी के लिंग, वचन • उपसर्ग एवं प्रत्यय देवनागरी लिपि : • नामकरण • विकास • गुण एवं दोष • सुधार हेतु किये गये प्रयत्न	16

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान : डॉ0 भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान : डॉ0 कपिल देव द्विवेदी
3. आधुनिक भाषा विज्ञान : डॉ0 राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. समसामयिक हिन्दी में रूपस्वानिमीकी : डॉ0 सुधाकर सिंह
5. सामान्य भाषा विज्ञान : बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
6. भारतीय भाषाशास्त्र के सूत्रधार : रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. भाषा विज्ञान : द्वारिका प्रसाद सक्सेना

❖❖❖

द्वितीय प्रश्न पत्र

एम0ए0 द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर

विषय – हिन्दी

	M.A. 2 Year	**Semester – 4**
Subject : Hindi		
Course Code : **Course Title : हिन्दी साहित्य का इतिहास – खण्ड 'ख' (आधुनिक काल से अब तक)**		
Credit - 5	Max Marks : 75+25=100 इस प्रश्नपत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।	Min. Passing Marks 30 अंक (लिखित) + 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन
अंक विभाजन : • आलोचनात्मक प्रश्न – 15 × 3 = 45 • लघु उत्तरीय प्रश्न – 6 × 5 = 30		

Total no of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week)
4.00 or 3.00

Unit इकाई	Topic	No. of Lectures Time On Hour
1	आधुनिक काल : परिस्थितियाँ, पुनर्जागरण।	16
2	भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, प्रमुख रचनाकार, रचनाएँ और विशेषताएँ।	16
3	(क) हिन्दी साहित्य में स्वच्छन्दतावादी चेतना का विकास, छायावादी काव्य, कवि रचनाएँ एवं वैशिष्ट्य। छायावादोत्तर काल : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, प्रमुख कवि एवं प्रवृत्तियाँ।	16
4	(ख) हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं (उपन्यास, कहानी, निबन्ध, नाटक, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, डायरी, यात्रावृत्त, साक्षात्कार, रिपोर्ताज) का संक्षिप्त परिचय, हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास)	16

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

2. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
3. साहित्य और इतिहास दृष्टि – डॉ0 मैनेजर पाण्डेय, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली।
4. दूसरी परम्परा की खोज – डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त।
7. साहित्य का इतिहास दर्शन – डॉ0 नलिनी विलोचन शर्मा, बिहार–राष्ट्रभाषा–परिषद।
8. आधुनिक हिन्दी साहित्य का साहित्य – डॉ0 बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

❖❖❖

तृतीय प्रश्न पत्र

एम0ए0 द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर

विषय – हिन्दी

	M.A. II Year	**Semester – 4**
Subject : Hindi		
Course Code : **Course Title : प्रेमचन्द**		
Credit - 5	Max Marks : 75+25=100 इस प्रश्नपत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।	Min. Passing Marks 30 अंक (लिखित) + 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन
अंक विभाजन : • समीक्षात्मक प्रश्न – 15 × 3 = 45 • लघु उत्तरीय प्रश्न – 6 × 5 = 30		

Unit इकाई	Topic	No. of Lectures Time On Hour
1	• प्रेमचन्द : व्यक्तित्व, कृतित्व एवं परिवेश	16
2	प्रेमचन्द के उपन्यास • सेवासदन • निर्मला • गोदान	16
3	प्रेमचन्द की कहानियाँ • बड़े घर की बेटी • नमक का दरोगा • पंचपरमेश्वर • बूढ़ी काकी • पूस की रात • ईदगाह • कफन	16
4	प्रेमचन्द का निबन्ध एवं नाट्यसाहित्य • साहित्य का उद्देश्य • जीवन में साहित्य का स्थान • कर्बला, संग्राम, प्रेम की वेदी	

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. सेवासदन, प्रेमचन्द, डायमण्ड पॉकेट बुक्स।
2. निर्मला, प्रेमचन्द।
3. गोदान, प्रेमचन्द, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।
4. कथाकार प्रेमचन्द, जाफर रजा
5. प्रेमचन्द : जीवन कला और कृतित्व, हंसराज रहबर, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली।
6. प्रेमचन्द और उनकी उपन्यास कला, डॉ0 रघुवर दयाल वार्ष्णेय
7. गोदान का महत्व, डॉ0 सत्य प्रकाश मिश्र, नई कहानी 170 अलोपी बाग, इलाहाबाद।
8. प्रेमचन्द घर में – शिवरानी देवी, सरस्वती प्रेस, बनारस।
9. प्रेमचन्द और उनका युग – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
10. हिन्दी कहानी की शिल्प विधि का विकास – डॉ0 लक्ष्मीनारायण लाल, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
11. हिन्दी कहानी : समीक्षा और सन्दर्भ – डॉ0 विवेकी राय, राजीव प्रकाशन, इलाहाबाद।
12. निबन्धकार मुंशी प्रेमचन्द – डॉ0 आशा देवी कश्यप, मोहित पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
13. कुछ विचार – प्रेमचन्द, सरस्वती प्रेस, बनारस।

❖❖❖

तृतीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

एम0ए0 द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर

विषय – हिन्दी

	M.A. 2 Year	**Semester – 4**
Subject : Hindi		
Course Code : **Course Title : समकालीन साहित्य (वैकल्पिक)**		
Credit - 5	Max Marks : 75+25=100 इस प्रश्नपत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।	Min. Passing Marks 30 अंक (लिखित) + 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन
अंक विभाजन : • आलोचनात्मक प्रश्न – 15 × 3 = 45 • लघु उत्तरीय प्रश्न – 6 × 5 = 30		

Total no of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week)
4.00 or 3.00

Unit इकाई	Topic	No. of Lectures Time On Hour
1	1. समकालीन साहित्य : अवधारणा, नामकरण, प्रवृत्तिगत विशेषताएँ। 2. समकालीन प्रमुख रचनाकार एवं रचनाओं का सामान्य परिचय। 3. निम्नलिखित कवि एवं कविताओं का विशेष अध्ययन– (क) रघुवीर सहाय – आत्महत्या के विरुद्ध (ख) श्रीकांत वर्मा – एक मुर्दे का बयान (ग) केदारनाथ सिंह – फर्क नहीं पड़ता, बनारस (घ) सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' – पटकथा (भाग–1) (ङ) राजेश जोशी – बच्चे काम पर जा रहे हैं, मारे जाएंगे	16
2	समकालीन कथा साहित्य : • काशीनाथ सिंह – रेहन पर रग्घु (उपन्यास) • कहानी (क) फणीश्वरनाथ रेणु – लाल पान की बेगम (ख) मोहन राकेश – मलबे का मालिक (ग) भीष्म साहनी – चीफ की दावत (घ) उषा प्रियंवदा – वापसी	16

	(ङ) उदय प्रकाश – तिरिछ	
3	समकालीन नाट्य साहित्य : • असगर वजाहत – जिस लाहौर नई देख्या (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली) • पीयूष मिश्रा – जब शहर हमारा सोता है (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)	16
4	• अस्मितामूलक विमर्श : अवधारणा, भेद, अंतर एवं अंतर्सम्बन्ध • स्त्री विमर्श की अवधारणा एवं प्रमुख स्त्रीवादी चिंतक। • निम्नलिखित पाठ्य पुस्तकों का विशेष अध्ययन : (क) स्त्री उपेक्षिता – प्रभा खेतान (ख) फरिश्ते निकले (उपन्यास) – मैत्रेयी पुष्पा	16

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास – नंदकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
2. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. कुछ चेहरे : कुछ चिन्तन – धर्मवीर भारती, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. आधुनिक परिवेश और नवलेखन – डॉ0 शिवप्रसाद सिंह, संजय बुक सेंटर, वाराणसी।
5. प्रगतिवाद और समानांतर साहित्य – रेखा अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. आज की कविता – विनय विश्वास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. समाकालीन हिन्दी नाटककार – गिरीश रस्तोगी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. आधुनिक हिन्दी नाटकों में प्रयोगधर्मिता – सत्यवती त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. हिन्दी नाटक उद्‌भव एवं विकास – डॉ0 दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
10. हिस्सेदारी के प्रश्न–प्रतिप्रश्न – सं0 उमाशंकर चौधरी, अनामिका पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली।
11. स्त्री विमर्श की कहानियाँ – डॉ0 लालसा यादव, हिन्दी परिषद प्रकाशन, इलाहाबाद।
12. स्त्री लेखन : स्वप्न और संकल्प – रोहिणी अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. दुर्ग द्वार पर दस्तक – कात्यायनी, परिकल्पना प्रकाशन, लखनऊ।
14. स्त्री अलक्षित – सं0 श्रीकान्त यादव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

❖❖❖

तृतीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

एम0ए0 द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर

विषय – हिन्दी

	M.A. 2 Year	**Semester – 4**
Subject : Hindi		
Course Code : **Course Title : हिन्दी पत्रकारिता**		
Credit - 5	Max Marks : 75+25=100 इस प्रश्नपत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।	Min. Passing Marks 30 अंक (लिखित) + 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन
अंक विभाजन : • आलोचनात्मक प्रश्न – 15 × 3 = 45 • लघु उत्तरीय प्रश्न – 6 × 5 = 30		

Total no of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week)
4.00 or 3.00

Unit इकाई	Topic	No. of Lectures Time On Hour
1	पत्रकारिता : • पत्रकारिता का अर्थ, परिभाषा, पत्रकारिता की विशेषता। • साहित्य और पत्रकारिता का सम्बन्ध। • पत्रकारिता के विविध रूप। • हिन्दी पत्रकारिता का काल विभाजन व नामकरण (1826 ई0–1947 ई0 तक) • हिन्दी के प्रमुख पत्रकार। साहित्यकार–भारतेन्दु हरिश्चन्द, रघुवीर सहाय, बाबूराव विष्णु पराड़कर।	16
2	समाचार : • समाचार की अवधारणा, परिभाषा, समाचार की व्युत्पत्ति, समाचार की विशेषता। समाचार की संरचना। • समाचार लेखन के सिद्धान्त, समाचार का चयन। • समाचार लेखन में बरती जाने वाली सावधानियाँ।	16

3	फीचर (रूपक) : • फीचर का अर्थ, परिभाषा, फीचर का स्वरूप, फीचर के तत्व। • फीचर का उद्देश्य एवं फीचर के गुण। • फीचर और लेख में अन्तर। • पुस्तकसमीक्षा : पुस्तक समीक्षा का अर्थ, परिभाषा। पुस्तक समीक्षा के तत्व पुस्तक समीक्षा के उद्देश्य। पुस्तक समीक्षा के प्रकार। समीक्षक के गुण। • प्रेस सम्बन्धी वैधानिक प्रावधानों का संक्षिप्त परिचय।	16
4	जनसम्पर्क : • जनसम्पर्क की अवधारणा, परिभाषा। जनसम्पर्क का उद्देश्य। • जनसम्पर्क का कार्य एवं क्षेत्र। जनसम्पर्क के गुण। • आधुनिक युग में जनसम्पर्क का महत्व। • विज्ञापन : विज्ञापन का अर्थ एवं परिभाषा। विज्ञापन के प्रकार, विज्ञापन का कार्य, विज्ञापन की विशेषताएँ। • विज्ञापन के विविध माध्यम।	16
नोट– वैकल्पिक प्रश्नपत्र से केवल आलोचनात्मक प्रश्न ही पूछे जायेंगे। (व्याख्यात्मक प्रश्न नहीं पूछा जायेगा।)		

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी पत्रकारिता – कृष्ण बिहारी मिश्र, प्रकाशक लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. पत्रकारिता : विविध विधाएँ – डॉ0 राजकुमारी रानी, प्रकाशक जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. पत्रकारिता एक परिचय – डॉ0 मधु धवन, प्रकाशक बोध प्रकाशन, मद्रास।
4. हिन्दी पत्रकारिता भारतेन्दु – पूर्व से छायावादोत्तर काल तक, डॉ0 धीरेन्द्र नाथ सिंह, प्रकाशन विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. समाचार संकलन और लेखन – नंद किशोर त्रिखा, प्रकाशक उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
6. फीचर : एक कला – डॉ0 राजकुमारी रानी, प्रकाशक कुशल पब्लिकेशन एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर, मैदागिन, वाराणसी।
7. समाचार लेखन के सिद्धान्त और तकनीक – संजीव भानावत, प्रकाशक यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, जयपुर।
8. मुद्रण माध्यम और सम्पादन – विजय कुलश्रेष्ठ, प्रकाशक पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
9. रघुवीर सहाय की पत्रकारिता दृष्टि – डॉ0 राजकुमारी रानी, प्रकाशक संजय बुक सेन्टर, गोलघर, वाराणसी।

10. हिन्दी पत्रकारिता एवं गद्य शैली का विकास – डॉ0 गंगानारायण त्रिपाठी, प्रकाशक शान्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
11. समाचार सम्पादन – प्रेमनाथ चतुर्वेदी, प्रकाशक उपहार प्रकाशन, दिल्ली।
12. प्रेस विधि – नंद किशोर त्रिखा, प्रकाशक विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
13. सम्पादन कला – के0पी0 नारायणन्, प्रकाशक मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल।
14. समाचार माध्यम संगठन एवं प्रबन्ध – संजीव भानावत, प्रकाशक यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, जयपुर।
15. विज्ञापन – अशोक महाजन, प्रकाशक हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़।

❖❖❖

चतुर्थ प्रश्न पत्र

एम0ए0 द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर

विषय – हिन्दी

	M.A. 2 Year	**Semester – 4**
Subject : Hindi		
Course Code : **Course Title : पत्रकारिता एवं अनुवाद सिद्धान्त**		
Credit - 5	Max Marks : 75+25=100 इस प्रश्नपत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।	Min. Passing Marks 30 अंक (लिखित) + 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन
अंक विभाजन : • आलोचनात्मक प्रश्न – 15 × 3 = 45 • लघु उत्तरीय प्रश्न – 6 × 5 = 30		

Total no of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week)
4.00 or 3.00

Unit इकाई	Topic	No. of Lectures Time On Hour
1	(क) पत्रकारिता : स्वरूप एवं प्रकार। (ख) हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास। (ग) समाचार का स्वरूप एवं संरचना – आमुख, शीर्षक एवं शेष रचना। (घ) समाचार लेखन के गुण एवं व्यावहारिक सावधानियाँ।	16
2	1. (क) प्रेस रिपोर्ट का स्वरूप, उत्तम प्रेस रिपोर्ट के गुण, प्रेस रिपोर्ट के स्रोत एवं प्रकार। (ख) प्रेस सम्बन्धित वैधानिक प्रावधानों का संक्षिप्त परिचय। (ग) संपादन के गुण। (घ) संपादकीय लेखन। फीचर। (ङ) पृष्ठ सज्जा, प्रूफ (संशोधन)। (च) प्रेस प्रबन्धन। 2. विज्ञापन–परिभाषा, विज्ञापन लेखन के गुण, महत्व।	16
3	मीडिया : लेखन (क) संचार की अवधारणा एवं प्रक्रिया, संचार का महत्व। (ख) संचार माध्यमों के प्रकार – मुद्रण माध्यम, श्रव्य माध्यम, श्रव्य–दृश्य	16

	माध्यम। समाचार लेखन एवं वाचन, उद्घोषणा लेखन, उद्घोषक के गुण, भाषा की प्रकृति। (ग) भारत में रेडियो का विकास, वर्तमान समय में रेडियो का महत्व। (घ) श्रव्य–दृश्य माध्यम – फिल्म, टेलीविजन, श्रव्य–दृश्य माध्यमों की भाषा, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तरण, श्रव्य एवं दृश्य सामग्री का सामंजस्य। पटकथा लेखन, संवाद लेखन।	
4	अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवहार : (क) अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि, महत्व। (ख) अनुवाद के प्रकार – पूर्ण अनुवाद एवं सार अनुवाद। (ग) अनुवादक के गुण, अनुवादक की कठिनाइयाँ। (घ) हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका। (ङ) वैधानिक तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद। (च) कार्यालयीय अनुवाद : कार्यालयीय एवं प्रशासनिक शब्दावली, पदनाम, विभाग आदि। (छ) द्विभाषिया : अभिप्राय, क्षेत्र, महत्व। (ज) दुभाषिया के गुण एवं दायित्व। दुभाषिया एवं अनुवादक में अन्तर।	16

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. समाचार पत्रों का इतिहास – अम्बिका प्रसाद बाजपेयी।
2. हिन्दी पत्रकारिता – डॉ0 कृष्ण बिहारी मिश्र।
3. पत्रकारिता : विविध विधाएँ – डॉ0 राजकुमारी रानी, प्रकाशक–जयभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
4. अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग – डॉ0 कैलाश भाटिया।
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं काव्य विवेचन – डॉ0 राजकुमारी रानी, प्रकाशक– सपना अशोक प्रकाशन, वाराणसी।
6. अनुवाद सिद्धान्त एवं समस्याएँ – डॉ0 रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव।
7. फीचर : एक कला – डॉ0 राजकुमारी रानी।
8. कार्यालयी अनुवाद एवं समस्याएँ – डॉ0 रविन्द्र नाथ श्रीवास्तव।
9. अनुवाद विज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी।
10. प्रेस विधि – डॉ0 नन्द किशोर त्रिखा।

❖❖❖

विषय – हिन्दी (माइनर इलेक्टिव)

	M.A. 1 Year	**Semester – 1I**
Subject : Hindi		
Course Code : **Course Title : प्रयोजनमूलक हिन्दी (माइनर इलेक्टिव)**		
Credit - 5	Max Marks : 75+25=100 इस प्रश्नपत्र में 75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।	Min. Passing Marks 30 अंक (लिखित) + 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन
अंक विभाजन : • आलोचनात्मक प्रश्न – 15 × 3 = 45 • लघु उत्तरीय प्रश्न – 6 × 5 = 30		
Total no of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week) 3-2		

Unit इकाई	Topic (टॉपिक)	No. of Lecture
1	प्रयोजनमूलक हिन्दी – अर्थ एवं परिभाषा, प्रयोजनमूलक हिन्दी की विशेषताएँ, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति (अनु0 343–351) राजभाषा, राष्ट्रभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी पत्र लेखन – पत्र लेखन के महत्वपूर्ण अंग पत्र लेखन के प्रकार – आवेदन पत्र, सूचना पत्र, व्यावसायिक पत्र, टेंडर पत्र, तकड़े का पत्र, बैंक व बीमा सम्बन्धी पत्र, साख सम्बन्धी पत्र। पारिभाषिक शब्दावली – अर्थ, पारिभाषिक शब्दावली के अपेक्षित गुण तकनीकी एवं पारिभाषिक शब्दावली	15
2	जनसंचार माध्यम – सूचना क्रांति के युग में हिन्दी, संचार लेखन की विशेषताएँ, समाचार वाचक की विशेषताएँ, साक्षात्कार का महत्व एवं साक्षात्कार के गुण, विज्ञापन लेखन एवं प्रेस विज्ञप्ति। कम्प्यूटर और हिन्दी – कम्प्यूटर का परिचय, वर्तमान समय में कम्प्यूटर में हिन्दी, कम्प्यूटर का वर्तमान समय में महत्व एवं उपयोगिता। इंटरनेट का सामान्य परिचय, ई–मेल, फैक्स।	12
3	अनुवाद – अनुवाद का अर्थ एवं परिभाषा, अनुवाद का महत्व एवं उपयोगिता, अनुवाद के प्रकार। अनुवाद के गुण। द्विभाषिया –	15

	द्विभाषिया का अर्थ एवं परिभाषा द्विभाषिया का महत्व भाषान्तरण एवं अनुवाद में अन्तर	
4	हिन्दी पत्रकारिता – अर्थ एवं स्वरूप राष्ट्रीय आन्दोलन में हिन्दी पत्रिकाओं का योगदान राजनैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन में पत्रकारिता की भूमिका, हिन्दी पत्रकारिता के समक्ष चुनौतियाँ।	15

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. दंगल झालटे – प्रयोजनमूलक हिन्दी, सिद्धान्त एवं प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. अर्जुन तिवारी – जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता।
3. सुमित मोहन – मीडिया लेखन।
4. बालेंदु शेखर तिवारी – प्रयोजनमूलक हिन्दी।
5. डॉ0 राजकुमारी – प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं काव्य विवेचन, सपना अशोक प्रकाशन, वाराणसी।
6. डॉ0 संजीव कुमार – प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल।
7. हरिमोहन – आधुनिक जनसंचार एवं हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. गोयल संतोष – हिन्दी बहस और कम्प्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन।
9. शुक्ल सौरभ – नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विलेज पब्लिकेशन।
10. कुमार सुरेश – इंटरनेट पत्रकारिता, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

❖❖❖

पंचम प्रश्न–पत्र

लघु शोध परियोजना

Course Code – A010705R

एम0ए0 प्रथम वर्ष – प्रथम सेमेस्टर

क्रेडिट – 4

छात्रा को स्नातकोत्तर के प्रथम वर्ष (प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर) में लिखा गया शोध प्रबंध मूल्यांकन हेतु वर्ष के अन्त में जमा करना अनिवार्य होगा। जिसका मूल्यांकन शोध निर्देशक एवं विश्वविद्यालय द्वारा नामित बाह्य परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से (4+4=8 क्रेडिट) 100 अंकों में किया जायेगा।

पंचम प्रश्न–पत्र

लघु शोध परियोजना

Course Code – A010805R

एम0ए0 प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर

क्रेडिट – 4

छात्रा को स्नातकोत्तर के प्रथम वर्ष (प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर) में लिखा गया शोध प्रबंध मूल्यांकन हेतु वर्ष के अन्त में जमा करना अनिवार्य होगा। जिसका मूल्यांकन शोध निर्देशक एवं विश्वविद्यालय द्वारा नामित बाह्य परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से (4+4=8 क्रेडिट) 100 अंकों में किया जायेगा।

पंचम प्रश्न–पत्र

लघु शोध परियोजना

Course Code – A010905R

एम0ए0 द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर

क्रेडिट – 4

छात्रा को स्नातकोत्तर के द्वितीय वर्ष (तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर) में लिखा गया शोध प्रबंध मूल्यांकन हेतु वर्ष के अन्त में जमा करना अनिवार्य होगा। जिसका मूल्यांकन शोध निर्देशक एवं विश्वविद्यालय द्वारा नामित बाह्य परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से (4+4=8 क्रेडिट) 100 अंकों में किया जायेगा।

पंचम प्रश्न–पत्र

लघु शोध परियोजना

Course Code – A010005R

एम0ए0 द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर

क्रेडिट – 4

छात्रा को स्नातकोत्तर के द्वितीय वर्ष (तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर) में लिखा गया शोध प्रबंध मूल्यांकन हेतु वर्ष के अन्त में जमा करना अनिवार्य होगा। जिसका मूल्यांकन शोध निर्देशक एवं विश्वविद्यालय द्वारा नामित बाह्य परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से (4+4=8 क्रेडिट) 100 अंकों में किया जायेगा।